SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

समास

समास:- समास का शाब्दिक अर्थ संक्षेप (छोटा) होता है।

समास का विलोम शब्द व्यास (फैलाना) होता है।

दो या दो से अधिक शब्दों के मेल को समास कहते हैं और समास की प्रक्रिया से बनने वाले नवीन शब्द को सामासिक पद कहते हैं।

सामान्यतः समास 6 प्रकार के होते हैं।

पदों की प्रधानता के आधार पर समास चार प्रकार के होते हैं।

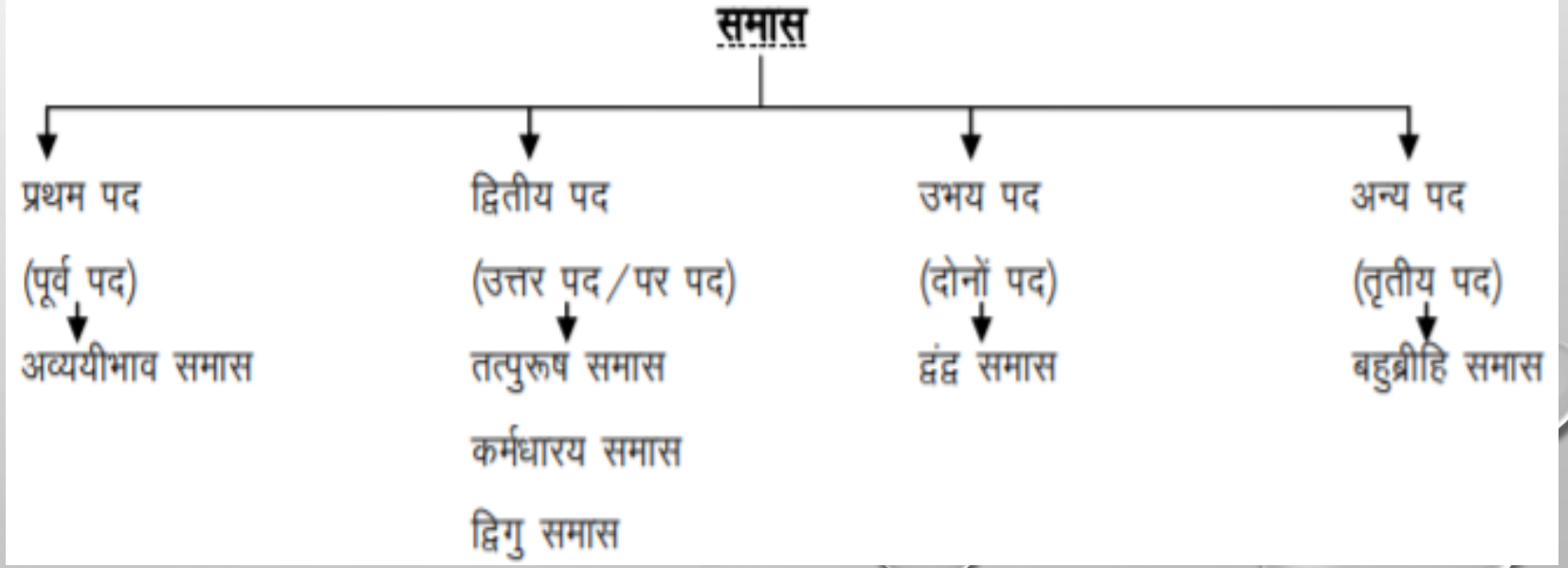

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

अव्ययीभाव समास -

(1) पहला पद प्रधान होता है।

(2) पहला पद या पूरा पद ही अव्यय होता है।

जैसे - यथामति (मति के अनुसार), आमरण (मृत्यु कर) न् इनमें यथा और आ अव्यय हैं।

उदाहरण:-

आजीवन - जीवन-भर

यथासामर्थ्य - सामर्थ्य के अनुसार

यथाशक्ति - शक्ति के अनुसार

यथाविधि - विधि के अनुसार

यथाक्रम - क्रम के अनुसार

हररोज़ - रोज़-रोज़

प्रतिदिन - प्रत्येक दिन

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

तत्पुरुष समास:-

तत्पुरूष समास में द्वितीय पद प्रधान होता है।

जैसे - तुलसीदासकृत = तुलसी द्वारा कृत (रचित)

कारक	अर्थ	विभक्ति
कर्म	जिस पर क्रिया का फल पड़ता है	को
करण	जिस साधन से क्रिया की गयी हो	से, के द्वारा
सम्प्रदान	जिसके लिए क्रिया की गयी हो	के लिए , को
अपादान	जिससे प्रथकता का भाव प्रकट हो	से
सम्बन्ध	क्रिया के अतरिक्त अन्य पदों से सम्बन्ध	का, की, के
अधिकरण	क्रिया करने का स्थान	में, पर

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

उदाहरण –

हस्तगत – हाथ को गत

जातिगत – जाति को गया हुआ

मुँहतोड़ – मुँह को तोड़ने वाला

तुलसीकृत – तुलसी द्वारा कृत

अकालपीड़ित – अकाल से पीड़ित

श्रमसाध्य – श्रम से साध्य

देशभक्ति – देश के लिए भक्ति

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

गुरुदक्षिणा – गुरु के लिए दक्षिणा

भूतबलि – भूत के लिए बलि

रोगमुक्त – रोग से मुक्त

लोकभय – लोक से भय

राजद्रोह – राज से द्रोह

गृहप्रवेश - गृह में प्रवेश

पर्वतारोहण - पर्वत पर आरोहण

ग्रामवास - ग्राम में वास

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

कर्मधारय समास:-

जिस समास का उत्तरपद प्रधान हो और पूर्वपद व उत्तरपद में विशेषण-विशेष्य अथवा उपमान-उपमेय का संबंध हो वह कर्मधारय समास कहलाता है।

कमलनयन - कमल के समान नयन

पीतांबर = पीला अंबर (वस्त्र)

नरसिंह = नरों में सिंह के समान

मुखचन्द्र = मुख रूपी चन्द्र

चन्द्रमुख = चन्द्र के समान मुख

घनश्याम = घन की भाँति श्याम

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

द्विगु समास:-

जिस समास का पूर्वपद संख्यावाचक विशेषण हो उसे द्विगु समास कहते हैं। इससे समूह अथवा समाहार का बोध होता है।

उदहारण:-

नवग्रह = नौ ग्रहों का समूह

त्रिलोक = तीन लोकों का समाहार

शताब्दी = सौ वर्षों का समूह

पंचवटी = पाँचों वटों का समाहार

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

द्वन्द्व समास:-

जिस समास के दोनों पद प्रधान हो तथा विग्रह करने पर **"और, अथवा, या, एवं"** लगता है, वह द्वंद्व समास कहलाता है।

उदाहरण -

पाप-पुण्य = पाप और पुण्य

सीता-राम = सीता और राम

राधा-कृष्ण = राधा और कृष्ण

राम-कृष्ण = राम और कृष्ण

गाय-बैल = गाय और बैल

बेटा-बेटी = बेटा और बेटी

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

बहुव्रीहि समास:-

जिस समास के दोनों पद अप्रधान हों और दोनों पद मिलकर तीसरे पद की विशेषता बताए, उसे बहुव्रीहि समास कहते हैं।

उदाहरण -

दशानन - दश है आनन जिसके अर्थात् रावण

नीलकंठ - नीला है कंठ जिसका अर्थात् शिव

सुलोचना - सुंदर है लोचन जिसके अर्थात् मेघनाद की पत्नी

पीतांबर - पीला है अम्बर (वस्त्र) जिसका अर्थात् श्रीकृष्ण

लंबोदर - लंबा है उदर (पेट) जिसका अर्थात् गणेशजी

दुरात्मा - बुरी आत्मा वाला (दुष्ट)

श्वेतांबर - श्वेत है जिसके अंबर (वस्त्र) अर्थात् सरस्वती जी

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

महत्वपूर्ण प्रश्न –

1. निम्न में से किस शब्द में बहुब्रीहि समास है।

A. चौराहा
B. दशानन
C. शताब्दी
D. पंजाब

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

2. **'दशानन'** शब्द में समास है।

A. कर्मधारय
B. द्वन्द्व
C. द्विगु
D. बहुब्रीहि

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

3. **यथाशीघ्र** शब्द में समास है।

A. द्वन्द्व

B. बहुब्रीहि

C. कर्मधारय

D. अव्ययी भाव

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

4. 'नीलकंठ' शब्द में समास है।

A. द्विगु
B. कर्मधारय
C. बहुब्रीहि
D. द्वन्द्व

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

5. **'गौशाला'** शब्द में समास है ।

A. तत्पुरुष
B. बहुब्रीहि
C. द्वन्द्व
D. अव्ययीभाव